



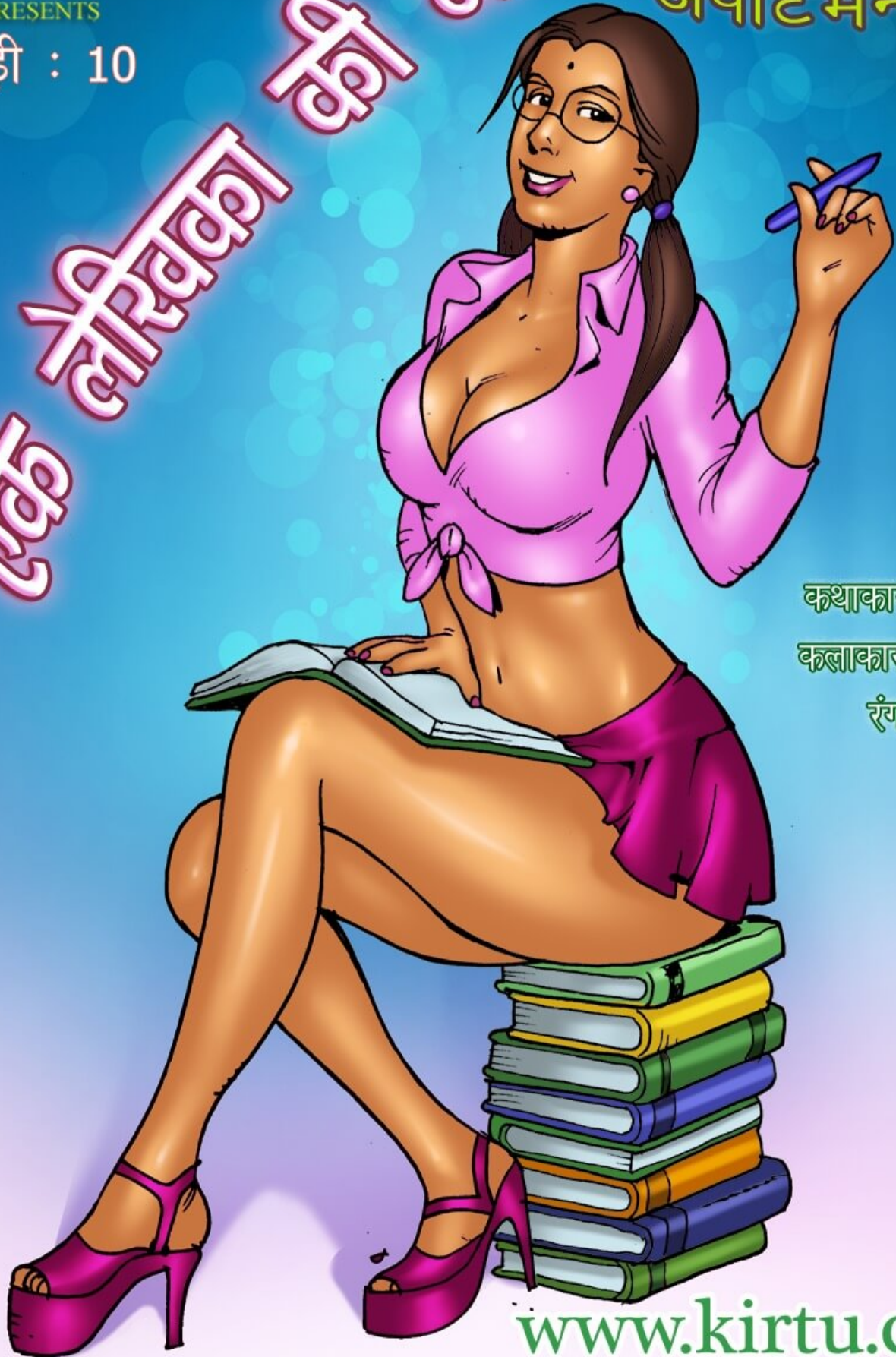
PRESENTS

कड़ी : 10

एक लेखिका की

मदद

XXX
अपार्टमेंट्स



कथाकार: राहुल

कलाकार: नैस्टर

रंगकार: चू

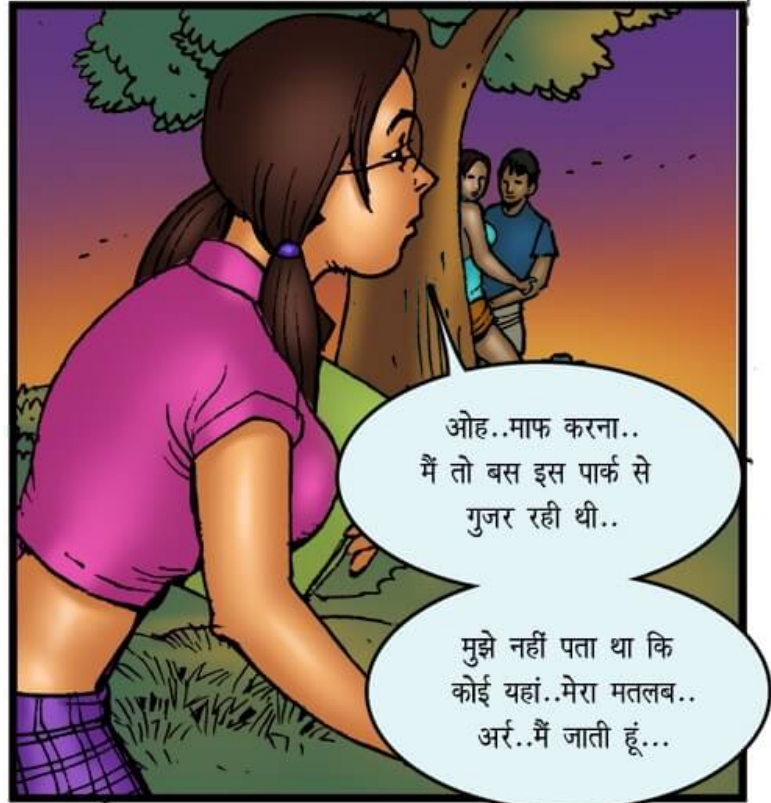
www.kirtu.com







यह आवाज
कैसी है अमन?



ओह..माफ करना..
मैं तो बस इस पार्क से
गुजर रही थी..

मुझे नहीं पता था कि
कोई यहां..मेरा मतलब..
अर्र..मैं जाती हूं...



जल्दी मैं वो
अपनी फाईल गिरा गई..

हमें भाग कर उसे
दे देनी चाहिए !

तुम यह काम कल कर लेना..
मेरी मम्मी भी गुस्सा कर रही होंगी..

बाल बाल बचे !
अगर वो पांच मिनट बाद
आती तो...
हम पकड़े जाते !

मजाक मत करो !
तुम जानते नहीं कि वो
हमारी ही बिल्डिंग में रहती है..

मैं किसी झमेले में
नहीं पड़ना चाहती अमन..
घर चलो अब !

उसी रात..

तो वो एक लेखिका है..
और ये उसके किसी उपन्यास
के अंश हैं..

लेकिन लग रहा है कि
उसने अभी कहानी का प्रारूप
तय नहीं किया है..

कल जब मैं उसके घर इसे
देने जाऊंगा तब पूछूंगा..

..तो मैंने सोचा कि मैं
खुद जाकर दे आऊंगा..

हे भगवान..
मैं बहुत चिंतित थी कि ये
खो गए ! आपका धन्यवाद !

अरे मैं भी कैसी मूर्ख हूं..
अन्दर आइए, मैं आपके लिए
चाय बनाती हूं..

बहादुर ने बताया कि वो
इस घर में अकेली रहती है..

अमन..मैं बस टी बैग ढूँढ रही हूं..
बस कुछ मिनट की बात है..

कोई बात नहीं !
आराम से करो !

जल्दी ही..

हां..तुमने सही सोचा !
मैं एक महिला पत्रिका
की लेखिका हूं..

जैसा मैंने तुम्हारी
फाइल में पढ़ा..

ओह..मैं अभी तक तो
रोमांचक उपन्यास ही लिख रही थी..

अब मेरे सम्पादक
मुझसे कुछ नया विषय चाह रहे हैं..

तुम अपने अगले उपन्यास
को लेकर उहापोह में हो !

अभी तक ये कुछ विचार हैं
मैं एक प्रेम कथा लिखना चाह रही
हूं..मुख्य पात्र प्यार में..

अम्म..मेरे ख्याल से रुचि
तुम्हारी कहानी सच्चाई से
परे लग रही है..

प्रेमी युगल इस तरह से
बर्ताव नहीं करते जैसा
तुमने लिखा है..

तुम्हारा क्या ख्याल है?

जिस तरह से तुमने
चुम्बन का वर्णन किया है,
लगता है कि तुम्हें नहीं मालूम कि
चुम्बन में कैसा महसूस होता है..

मैं इससे अच्छा
नहीं लिख सकती क्योंकि मैंने
कभी किसी लड़के को चूमा
ही नहीं है..

मैं किसी लड़के के साथ नहीं गई
जिस तरह तुम्हारी गर्लफ्रेंड
तुम्हारे साथ थी..

तो जिसका मुझे अनुभव नहीं,
वो मैं कैसे लिख सकती हूं..

कल मैं सम्पादक को बता दूंगी
कि मैं यह नहीं लिख सकती..

रुको..तुम्हें ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं !
मेरे ख्याल से मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूं..





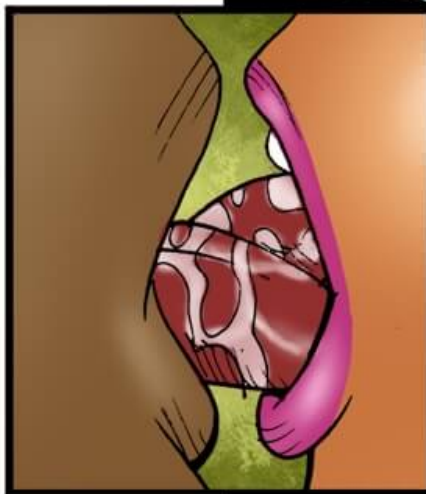


बहुत अच्छा लग रहा है..
आनन्द से मेरा बदन पिघल रहा है..



यह मेरी चूचियां सहला रहा है..
लेकिन..अहनं..
मुझे और मजा आ रहा है..
अम्मं..

अब मैं रुकना
नहीं चाहती..



अब तुम अपनी जीभ से मेरे
मुख के अंदर चाटो ! चुम्बन के
आनन्द का अनुभव करो !

ओह..हो..
मैं मजा ले रही हूं..
मुझे मजा आ रहा है अमन !



कुछ सप्ताह बाद..

वाह रुचि.. पाठक तुम्हारी
इस नई रचना को खूब सराहेंगे !

इसके पूर्व प्रकाशित
भागों पर पाठकों की प्रतिक्रिया
मिलनी शुरू हो गई है..

उम्मीद है कि तुम अगला भाग भी
ऐसा ही उम्दा लिखोगी..

यह इस उपन्यास का
सबसे महत्वपूर्ण भाग है..

क्या सच में..?
सुन कर मुझे बहुत खुशी हुई..

जी..मुझे पता है..मैं अपनी लेखन कला
को निखारने में पुरजोर मेहनत कर रही हूँ..

अहह..रुक जाओ अमन..
तुम यह कर रहे हो तो मैं सम्पादक
से ठीक से बात नहीं कर पा रही..

अम्मं..
तुमने ही तो मुझे
और ज्यादा सीखने के लिए
बुलाया था..

जी..हां..
मैं ऐसा ही करूंगी सर !
अहह....

जब भी नेहा फोन पर
बात करती है तो मैं उसे
ऐसे ही सताता हूँ..

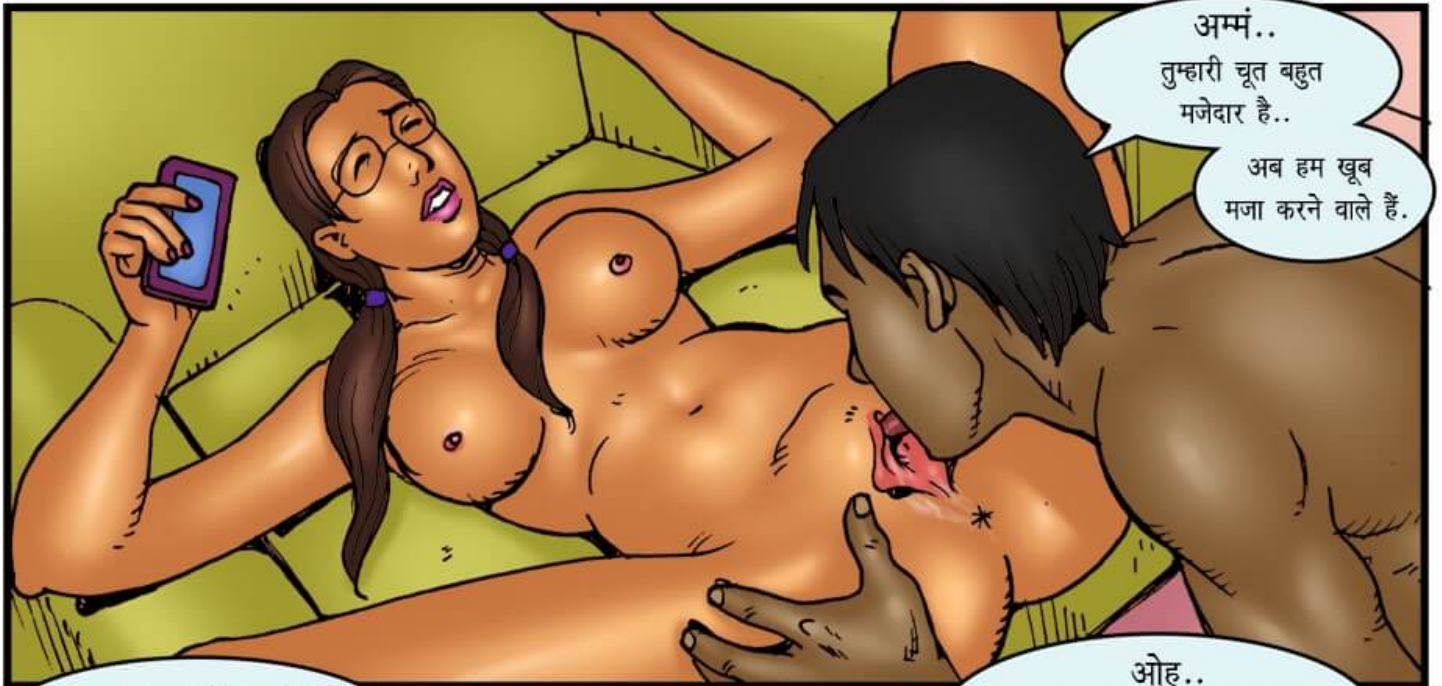
अब आराम से बैठ कर
मजा लो रुचि !







ओहह..
अब मुझे जाना होगा सर !
मेरा एक दोस्त इस उपन्यास लेखन
में मेरी मदद कर रहा है..



अम्मं..
तुम्हारी चूत बहुत
मजेदार है..
अब हम खूब
मजा करने वाले हैं.



अहह.. तुम मुझे अपनी बातों
से बेवकूफ नहीं बना सकते !

इससे मुझे क्या फायदा
होने वाला है? तुम तो मुझे चोदने
की कोशिश कर रहे हो !

ओह..
अगर तुम ऐसा सोचती हो
तो मुझे रोकती क्यों नहीं?

अब मान जाओ ना कि
तुम भी यही चाहती हो और
विरोध छोड़ कर एक प्रेमिका की
तरह मेरा साथ दो !







मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि लड़को का लिंग इतना बड़ा हो सकता है..









अहह..भगवान..
इसने काफी अंदर तक
ले लिया !

मम्मं..
अमन की प्रेमिका तो
जब चाहे इस लण्ड को
चूस सकती है..



जब इसने शुरू किया था
तो कितनी सौम्यता से कर रही थी..
अब कितनी जोर से मेरे
लण्ड को चूस रही है..



काश कि ऐसे ही लण्ड
वाला मेरा भी कोई प्रेमी होता..

वा..अ..ह..रुचि..
तुम तो मेरा लण्ड चूस कर पागल
सी हो रही हो !
तुम्हें क्या हो गया है?



मैं इस लण्ड को
नहीं छोड़ सकती..
यह मुझे चाहिए ही..



ना सिर्फ मेरे मुंह
में बल्कि मेरी गीली
चूत में भी..







अरे..यह तो मेरे लौड़े
के लिए पागल हो रही है..
कैसे अपनी जीभ इस पर
घुमा रही है..

मैं ज्यादा देर
नहीं टिक पाऊंगा..









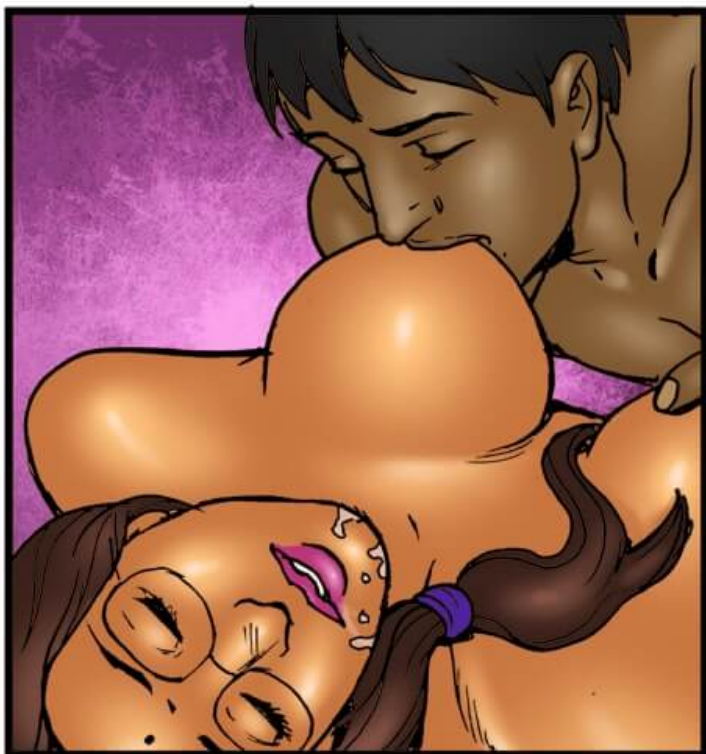


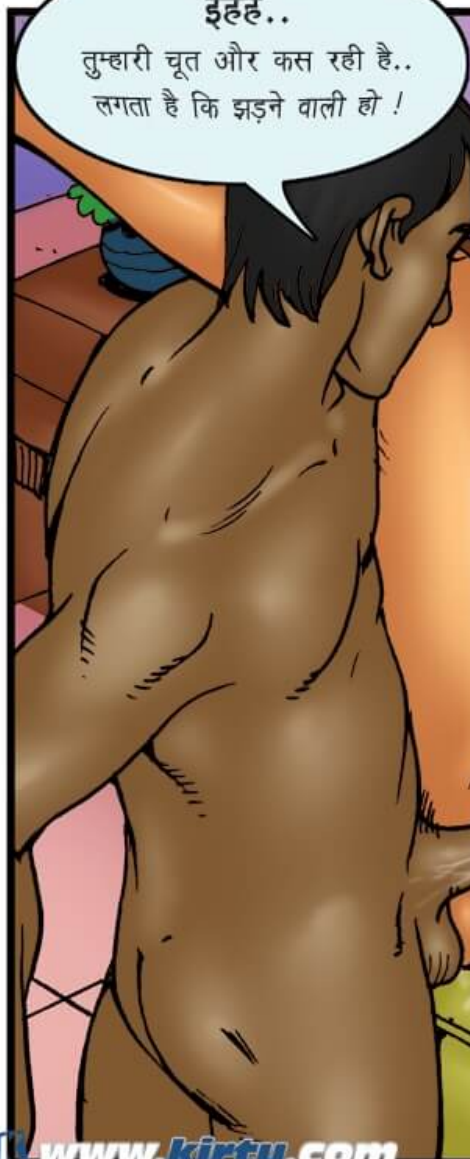
प्लीज अमन..
आराम से करना !
अहह...

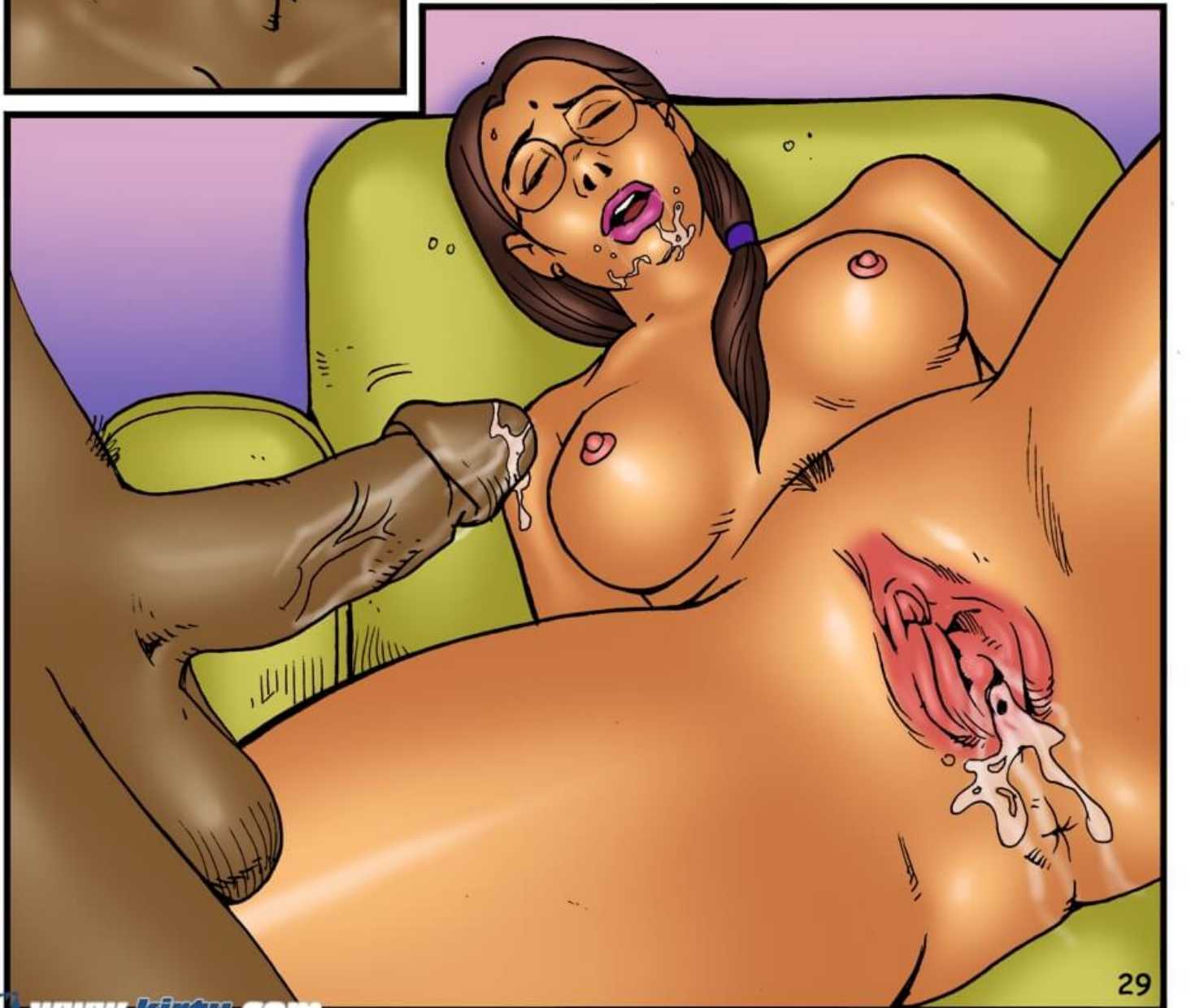
अमन..अमन..
तुम कितना मजा दे रहे हो !
मेरी चूत.
हे भगवान..
बहुत अच्छ लग रहा है..



FUT!
FUT!









मैं तुम्हें प्यार
करती हूँ अमन..

अब तुम मुझे हर रोज
इसी तरह चुलबुली बातें
सिखाया करो !



एक महीने बाद..



अमन.. यह उपन्यास
उसी लड़की ने लिखा है..जो हमारी
बिल्डिंग में रहती है..

क्या तुम्हें लगता है कि
वो मुझे इस पर अपने
ऑटोग्राफ देगी?



हां..मुझे विश्वास है
कि तुम जो भी मांगोगी,
वो तुम्हें देगी..

आखिर वो तुम्हारे
बॉयफ्रेंड से चुद रही है..

समाप्त 30



यह एक फ्री कॉमिक है
क्या आप और कॉमिक्स देखना चाहते हैं?
अभी मेम्बर बनिए और सदस्यता लीजिये!

कृपया यहाँ जाइये
SavitaBhabhi.com/subscribe

अगर आप पहले से सदस्य हैं? तो इसे नजर अंदाज कीजिये!